

NIT पटना के छात्र द्वारा बनाई गई समिलेटर मशीन को मलिा पेटेंट

चर्चा में क्यों?

23 मार्च, 2023 को मीडिया से मलिी जानकारी के अनुसार एनआईटी पटना के पीएचडी स्टूडेंट्स डॉ. हलिल चक्रवर्ती द्वारा बनाई गई समिलेटर मशीन, जो मेटेरियल के सैंपल के आधार पर सड़क की नर्रमाण सामग्री में नमी की पहचान कर लेगी, को पेटेंट मलि गया है।

प्रमुख बदि

- पीएचडी स्टूडेंट्स डॉ. हलिल चक्रवर्ती ने बताया क समिलेटर मशीन से अलकतरा के साथ कौन-सा मेटेरियल मलिाया जाए, जसिसे सड़क पानी या अधकि गरमी या फरि अधकि दबाव से जलदी खराब न हो, इसकी पहचान की जाएगी।
- यह मशीन मौसम, वाहनों के दबाव और पथरीले स्थान पर अलकतरा के साथ सीमेंट या अन्य सामग्री कतिना और कैसे मलिाया जाएगा, यह बताएगी।
- वदिति है क एनआईटी पटना के पीएचडी के छात्र डॉ. हलिल चक्रवर्ती ने चार साल के रसिर्च के बाद समिलेटर मशीन को बनाया है।
- एनआईटी के डीन प्रो संजीव सनिहा ने बताया क उत्तर बहार के कई इलाकों में बाढ़ की वजह से सड़क हर साल खराब हो जाती है। इसके कारण लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ता है। इस मशीन की सहायता से सड़कें जलदी खराब नहीं होंगी, क्योंकि पहले इसके कारणों का पता लगाकर सड़कें बनाई जाएंगी।
- उन्होंने बताया क नयी तकनीक के आधार पर सड़क नर्रमाण सामग्री की जाँच करने की यह पहली मशीन है और यह बहुत ही कम लागत में बनाई गई है।
- अब समिलेटर मशीन के व्यावसायिक इस्तेमाल के लिये कसिी कंपनी या सरकार के साथ समझौता कया जाएगा। पानी और अन्य कारणों की वजह हर साल अरबों रुपए का नुकसान होता है। इस तकनीक के इस्तेमाल से सड़क जलदी खराब नहीं होगा।



डॉ. हलिल चक्रवर्ती द्वारा बनाई गई समिलेटर मशीन

